



EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Connecting. Empowering. Transforming.

**EXPORT PROMOTION COUNCIL
FOR HANDICRAFTS**

CIN: U20299DL 1986NPL023253 | GST NO. 07AAACE1747M1ZJ

प्रेस विज्ञप्ति

भारत-श्रीलंका हस्तशिल्प व्यापार संयुक्त प्रयासों से विकास के लिए तैयार

श्रीलंका के मंत्री सलाहकार और ईपीसीएच अधिकारियों ने भविष्य की व्यापार पहलों पर चर्चा की

नई दिल्ली – 19 नवंबर 2025 – भारत और श्रीलंका के बीच दीर्घकालिक सांस्कृतिक संबंध हैं और घरेलू साज-सज्जा, प्राकृतिक सामग्री, वस्त्र, फैशन के सामान और उपहारों के क्षेत्र में दोनों देशों की एक-दूसरे के पूरक गुण हैं। दोनों पक्षों ने दक्षिण एशिया और प्रमुख वैश्विक बाजारों में संस्थागत खरीदारों, स्वतंत्र खुदरा और ई-कॉमर्स चैनलों की सेवा के लिए डिज़ाइन, गुणवत्ता, बाज़ार पहुँच और लॉजिस्टिक्स में गहन सहयोग की संभावना को स्वीकार किया।

दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों को मज़बूत करने के लिए, नई दिल्ली स्थित श्रीलंका उच्चायोग में मिनिस्टर काउंसलर (वाणिज्यिक) श्री लक्ष्मेंद्र गेशान दिसानायके ने हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् (ईपीसीएच) के कार्यालय का दौरा किया और ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना, ईपीसीएच के मुख्य संयोजक श्री अवधेश अग्रवाल, ईपीसीएच के अतिरिक्त कार्यकारी निदेशक श्री राजेश रावत और ईपीसीएच के संयुक्त निदेशक श्री विकास गोयल से मुलाकात की। इस चर्चा में हस्तशिल्प में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने और आने वाले महीनों में संयुक्त गतिविधियों के लिए क्रेता-विक्रेता संबंधों को मज़बूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

चर्चा के दौरान, "ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने मंत्री सलाहकार के समक्ष द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मज़बूत बनाने की बात कही। उन्होंने सुझाव दिया कि श्रीलंकाई उच्चायोग की वाणिज्यिक शाखा, व्यापार और उद्योग पर केंद्रित वस्तु विनिमय प्रतिनिधिमंडलों के औपचारिक आदान-प्रदान को सुगम बनाने के लिए श्रीलंका सरकार के वाणिज्य एवं व्यापार विभाग के साथ मिलकर काम करे।" उन्होंने आगे कहा कि "यह पहल भारतीय और श्रीलंकाई दोनों व्यवसायों को एक-दूसरे के बाजारों को और व्यापक रूप से तलाशने के अवसर प्रदान करेगी और दोनों देशों में आयोजित होने वाले व्यापार मेलों और प्रदर्शनियों में भागीदारी को प्रोत्साहित करेगी। यह आदान-प्रदान बाज़ार तक पहुँच को व्यापक बनाकर और दोनों देशों के हस्तशिल्प उत्पादों की दृश्यता को बढ़ाकर आपसी विकास के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा।"

मंत्री सलाहकार श्री दिसानायके ने चर्चा के प्रति अपनी सहमति और उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने श्रीलंका सरकार के निर्यात विकास बोर्ड (ईडीबी) और भारत में ईपीसीएच के बीच सहयोगात्मक अवसरों की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने आशा व्यक्त की कि दोनों संगठन व्यापार मेलों में संयुक्त भागीदारी, निर्यात सुविधा कार्यक्रमों और हस्तशिल्प क्षेत्र के निर्यातकों के लिए क्षमता निर्माण पहलों सहित व्यापार संवर्धन गतिविधियों की योजना बनाने और उन्हें लागू करने के लिए निकट समन्वय से काम कर सकते हैं।

प्रस्तावित वस्तु विनिमय प्रतिनिधिमंडल आदान-प्रदान और सहयोगात्मक व्यापार संवर्धन प्रयासों को शुरू करने की दिशा में ठोस कदम उठाने और पारस्परिक प्रतिबद्धता के साथ चर्चा सकारात्मक रूप से संपन्न हुई।

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् (ईपीसीएच) दुनिया भर के विभिन्न देशों में भारतीय हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने और उच्च गुणवत्ता वाले हस्तशिल्प उत्पादों और सेवाओं के एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विदेशों में भारत की छवि और होम, लाइफस्टाइल, टेक्स्टाइल, फर्नीचर और फैशन जूलरी एंड एक्सेसरीज प्रॉडक्ट के उत्पादन में लगे क्राफ्ट क्लस्टर के लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों के जादू की ब्रांड इमेज बनाने के लिए जिम्मेदार एक नोडल संस्थान है। इस अवसर पर ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर के वर्मा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान हस्तशिल्प का कुल निर्यात 33,123 करोड़ रुपये (3,918 मिलियन डॉलर) रहा। वहीं श्रीलंका को वित्तीय वर्ष 2024-45 के दौरान में होने हस्तशिल्प का कुल निर्यात 150.44 करोड़ (17.79 मिलियन डॉलर) रुपए रहा।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री आर. के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक ईपीसीएच; +91-9810697868



EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Connecting. Empowering. Transforming.

**EXPORT PROMOTION COUNCIL
FOR HANDICRAFTS**

CIN: U20299DL 1986NPL023253 | GST NO. 07AAACE1747M1ZJ

Press Release

India-Sri Lanka Handicraft Trade Set for Growth Through Joint Efforts

Minister Counsellor of Sri Lanka and EPCH Leaders Discuss Future Trade Initiatives

New Delhi – 19th November’2025 – India and Sri Lanka share long-standing cultural ties with complementary strengths across home décor, natural materials, textiles, fashion accessories and giftware. Both sides acknowledged the scope for deeper cooperation in design, quality, market access and logistics to serve institutional buyers, independent retail and e-commerce channels across South Asia and key global markets.

Enhancing the trade relation between both the countries, Mr. Lakshmendra Geshan Dissanayake, Minister Counsellor (Commercial) at the High Commission of Sri Lanka in New Delhi, visited the office of the Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) and met with Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH; Shri Avdesh Agarwal, Chief Convenor, EPCH; Mr. Rajesh Rawat, Additional Executive Director, EPCH; and Mr. Vikas Goyal, Joint Director, EPCH. The discussion focused on expanding two-way trade in handicrafts, strengthening buyer-seller linkages for joint activities in coming months.

During the discussion, “Dr. Neeraj Khanna Chairman-EPCH put forward to the Minister Counsellor to foster stronger bilateral trade ties. He suggested that the Commercial Wing of the Sri Lankan High Commission engage closely with the Commerce and Trade Department of the Sri Lankan Government to facilitate a formal exchange of barter delegations focused on trade and industry”. He further said that “This initiative would provide both Indian and Sri Lankan businesses opportunities to explore each other's markets more extensively and encourage participation in trade fairs and exhibitions held in both countries. The exchange would thereby act as a platform for mutual growth by broadening market access and enhancing the visibility of handicraft products from both nations”.

Minister Counsellor Mr. Dissanayake expressed his agreement and enthusiasm regarding the discussion. He highlighted the potential for collaborative opportunities between the Export Development Board (EDB) of the Government of Sri Lanka and the EPCH in India. He envisioned that both organizations could work in close coordination to plan and implement trade promotion activities, including joint participation in trade fairs, export facilitation programs, and capacity-building initiatives for exporters in the handicraft sector.

The discussion concluded on a positive note with a mutual commitment and take concrete steps towards initiating the proposed barter delegation exchanges and collaborative trade promotion efforts.

EPCH is a nodal institution for promoting exports of handicrafts from the Country to various destinations of the world and projecting India’s image abroad as reliable supplier of high quality of handicrafts goods & services. The overall Handicrafts exports during the year 2024-25 was Rs. 33,123 Crores (US \$ 3,918 Million). The exports of handicrafts items to Sri Lanka during the year 2024-25 is Rs. 150.44 Crores (US \$ 17.79 Million) informed by Shri R. K. Verma, Executive Director-EPCH.

For more information please contact:

Shri R. K. Verma, Executive Director – EPCH
+91-9810697868

Encl: Hindi, English version and photos



Photo 1 & 2: Mr. Lakshmendra Geshan Dissanayake, Minister Counsellor (Commercial) at the High Commission of Sri Lanka in New Delhi, visited the office of EPCH and met with Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH; Shri Avdesh Agarwal, Chief Convenor, EPCH; Mr. Rajesh Rawat, Additional Executive Director, EPCH; and Mr. Vikas Goyal, Joint Director, EPCH today at New Delhi.